साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 39 | गोंदिया : गुरुवार, 6 से 12 मई 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

जिले के कोविड सेंटरो व स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी

गोंदिया। कोरोना संक्रमण महामारी से लड़ने के लिए गोंदिया जिले में कोविड-सेंटरों की बढ़ोतरी कर बिस्तरों की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। तथा विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। ऐसी जानकारी गोंदिया जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक ने २ मई को जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन सभागृह में आयोजित पत्र परिषद में दी।

आगे उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण महामारी से निपटने के लिए गोंदिया के क्रीड़ा संकुल में १२६ बिस्तरों का कोविड-डीसीएचसी सेंटर शुरु किया गया है। जिसमें सभी बिस्तर में ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध है तथा वहां जल्द ही और ७५ बेड की सुविधा उपलब्ध हो जाएंगी। इसके साथ ही पॉलिटेक्निक कॉलेज में १५० से २०० बिस्तरों की क्षमता का डीसीएचसी सेंटर १५ दिनों में शुरु हो जाएगा।

जिले के ग्रामीण चिकित्सालयों में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट तथा तीन बड़े ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट शासकीय चिकित्सालय के सेंटर में शुरु हो जाएंगे। साथ ही ५०० ऑक्सीजन कंसट्रेसर मशीनें उपलब्ध होंगी। आज ५ एम्बुलेंस सभी सुविधाओं से युक्त का लोकार्पण किया गया तथा दो और एम्बुलेंस २ विधायकों ने देने की बात कही है। साथ ही माइनिंग विभाग से तीन एम्बुलेंस की खरीदी की जाएंगी तथा ग्रामीण क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

वर्तमान स्थिति में जिले में कोरोना बढ़ नहीं रहा है तो कम भी नहीं हो रहा है, जिससे स्थिति यथावत बनी हुई है। लेकिन भविष्य के स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं में सरकार द्वारा निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। आज जिले में ऑक्सीजन व रेमडेसिविर की कमी नहीं हो रही है, जिनका भरपूर स्टॉक उपलब्ध है।

निजी चिकित्सालय पर प्रशासन की नजर

मान्यता प्राप्त जिन निजी चिकित्सालयों में कोरोना मरीजों का उपचार किया जा रहा है। जिसमें मरीजों से उपचार की अधिक राशि लिए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे चिकित्सालय प्रशासन द्वारा नजर रख की जा रही है तथा जिनकी जांच भी प्रशासन द्वारा की जा रही है। साथ ही सभी निजी चिकित्सालय में शासन द्वारा उपचार की तय की गई दर की सूची लगाना अनिवार्य है। इसके साथ ही मरीजों को उपचार के लिए निजी चिकित्सालय में दाखिल करने की जो समस्या सामने आ रही है, उस पर भी प्रशासन द्वारा नजर रख कड़ी कार्रवाई की जाएंगी।

खरीफ फसल के लिए शासन का नियोजन शुरु

आगामी धान की खरीफ फसल के लिए शासन द्वारा नियोजन किया गया है। जिसमें पर्याप्त मात्रा में धान का बीज उपलब्ध होने के साथ ही आगामी जून-जुलाई में जिले में खाद का भरपूर स्टॉक उपलब्ध होगा। इसके साथ ही किसानों को कर्ज देने के लिए ३०० करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए हैं। जिसमें नेशनल बैंक किसानों को कर्ज से वंचित नहीं रख सकेंगे। वर्तमान में रबि फसल की खरीदी के लिए गोदाम उपलब्ध नहीं है। जिसकी व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में खरीदे गए धान की मिलिंग नहीं होने से उपरोक्त समस्या निर्माण हुई है। इस पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जल्द ही सभा कर उचित हल निकाला जाएगा।

महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर राज्यमंत्री संजय बनसोडे ने किया ध्वजारोहण

गोंदिया – महाराष्ट्र राज्य के ६१ वे वर्धापन दिवस के अवसर पर राज्य के जलापूर्ति व स्वच्छता राज्यमंत्री संजय बनसोडे के हस्ते जिलाधिकारी कार्यालय में ध्वजारोहण कर साधारण रुप से मनाया गया। उपरोक्त ध्वजारोहण कार्यक्रम में जिलाधिकारी दीपककुमार मीना, जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीपकुमार डांगे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर जिला अधिकारी राजेश खवले, निवासी उप जिलाधिकारी जयराम देशपांडे, उपजिलाधिकारी सुभाष चौधरी, सचिन गोसावी, जिला पूर्ति अधिकारी देवराम वानखेडे, नप मुख्याधिकारी करण चौहान, उपविभागीय अधिकारी वंदना सावरंगपते, तहसीलदार आदेश डफर, अनिल खड़तकर उपस्थित थे। कोरोना संक्रमण के चलते कड़ाई से सामाजिक अंतर का पालन कर साधारण रुप से मनाने के शासन के निर्णय के अनुसार ध्वजारोहण कार्यक्रम जिला अधिकारी कार्यालय में सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया।

उत्तम स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराएं व निजी चिकित्सालयों का नियमित हो ऑडिट - संजय बनसोडे

गोंदिया – गोंदिया जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। जिसे रोकने के लिए सभी यंत्रणा द्वारा मरीजों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ ही निजी चिकित्सालयों का समय-समय पर ऑडिट करवाएं, ऐसा निर्देश राज्यमंत्री संजय बनसोडे ने दिए है।

गौरतलब है कि जिलाधिकारी कार्यालय में १ मई को जिला नियोजन समिति सभागृह में कोरोना प्रतिबंधक उपाय योजना की समीक्षा सभा आयोजित की गई थी। इस अवसर पर राज्यमंत्री संजय बनसोडे ने कहा कि मरीजों को असुविधा न हो इसके लिए जिले में बेड्स की संख्या बढ़ाई जाए, ऑक्सीजन प्लांट की व्यवस्था, दवाइयों की आवश्यकता होने पर तत्काल मांग करें जिससे मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो एवं कोविड- केयर सेंटर में समुचित व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाए। जिसके लिए शासन द्वारा निधि की कमी नहीं की जा रही है। साथ ही मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर व रेमडेसीविर इंजेक्शन उपलब्ध करवाएं, गांव गांव में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से घर घर जाकर सर्वे करवाया जाए। निजी चिकित्सालयों का नियमित ऑडिट होना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी के चलते किसी मरीज की मौत न हो, इस पर विशेष ध्यान रखा जाए। शासन द्वारा रेमडेसीविर इंजेक्शन की आपूर्ति में कमी नहीं है तथा मांग के अनुसार इंजेक्शन वितरण किया जाए। पुलिस विभाग द्वारा लॉकडाउन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए। कोरोना का तीसरा चरण आने की संभावना है, जिसके चलते जिला प्रशासन द्वारा क्या तैयारी की गई इसकी जानकारी ली। जिस पर जिलाधिकारी मीना ने तीसरे चरण की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंध की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि कोरोना की जांच बढ़ाई जाए तथा जनरल सर्वे की अत्यंत आवश्यकता है। साथ ही एक दिन आरटी पीसीआर की रिपोर्ट प्राप्त नहीं होती, इस पर नाराजगी व्यक्त की। विधायक चंद्रिकापुरे ने कहा कि चिकित्सालय में मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए मनुष्य बल की कमी को दूर करना होगा।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सैनिटाइजर फवारणी होना चाहिए तथा ग्रामीण चिकित्सालयों में दवाइयों की समुचित व्यवस्था व जिले में रेमडेसीविर इंजेक्शन की मांग के अनुसार आपूर्ति होनी चाहिए। आयोजित सभा में विधायक विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापुरे, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिलाधिकारी दीपककुमार मीना, जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीपकुमार डांगे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, निवासी उपजिलाधिकारी जयराम देशपांडे, उपजिला अधिकारी सुभाष चौधरी, सचिन गोसावी, नप मुख्याधिकारी करण चौहान, डीन डॉ.नरेश तिरपुड़े, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.नितिन कापसे, सीएस प्रतिनिधि डॉप्रशांत तुरकर, एफडीए के संदीप नरवने, जिला आपूर्ति अधिकारी देवराज वानखेडे, उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते, तहसीलदार आदेश डफर, अनिल खड़तकर व नरेश भंडारकर उपस्थित थे।

मशीनों को नहीं मजदूरों को दें काम

अनिल मुनीश्वर, सड़क अर्जुनी – सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाले वनविभाग के डोंगरगांव डिपो में नाला गहराईकरण का काम जेसीबी मशीन से किया जा रहा है। जिस पर मजदूरों ने मांग की है कि मशीनों से काम न करवा कर उन्हें काम दिया जाए।

गौरतलब है कि वर्तमान स्थिति में पूरे देश में कोरोना का कहर चल रहा है। जिसमें मजदूरों को काम नहीं मिलने से उनके सामने भुखमरी का संकट मंडराने लगा है। एक ओर शासन द्वारा मजदूरों को काम देने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के चलते उन्हें कार्य से वंचित होना पड़ रहा है। इसी प्रकार का एक मामला सड़क अर्जुनी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत सहवन क्षेत्र कार्यालय डोंगरगांव डिपो के अंतर्गत आने वाले कंपार्टमेंट नंबर ५७४/७५ में गत २ दिनों से वनविभाग की योजना के अंतर्गत २ लाख ४० हजार रुपये का नाला गहराईकरण का कार्य जेसीबी मशीन से किया जा रहा है। जिससे डिपो परिसर के मजदूरों को काम नहीं मिल रहा। इसके लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान देकर गरीब मजदूरों को काम दिलवाना आवश्यक है।

शासन के नियमानुसार कार्य

शासन के परिपत्र के अनुसार २ लाख का काम मशीन के माध्यम से किया जा सकता है। यदि उपरोक्त कार्य मजदूरों के माध्यम से किया जाएगा तो खर्च अधिक आएगा। जिसके चलते मशीन के माध्यम से नाला गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

– **प्रदीप पाटील**, सहायक वनरक्षक गोंदिया

गोंदिया नप की ४ माह से आमसभा नही होने से विकास कार्य बाधित - पंकज यादव

जिलाधिकारी को पत्र देकर आमसभा करवाने की मांग

गोंदिया नगर परिषद की आमसभा गत चार माह से नहीं होने से कोरोना काल में शहर के विकास कार्य बाधित हो गए हैं। जिसके लिए पार्षद व शिवसेना जिला समन्वयक पंकज यादव द्वारा जिलाधिकारी को पत्र देकर आमसभा आयोजित करने की मांग की है।

गौरतलब है कि शहर के विकास कार्यों के लिए नगर परिषद की आमसभा में प्रस्ताव मंजूर होना आवश्यक होता है। लेकिन गोंदिया नगर परिषद में गत चार माह से आमसभा आयोजित नहीं की गई। पिछली आमसभा जनवरी माह में आयोजित हुई थी। वर्तमान समय में कोरोना व आगामी मानसून के मौसम को देखते हुए शहर के अनेक विकास कार्यों को मंजूरी नहीं मिल पा रही है। जिससे कार्य बाधित हो रहे हैं। शासन के नियमानुसार प्रतिमाह आमसभा आयोजित होनी चाहिए, जिससे शहर के विकास कार्यों के विषय को समय पर मंजूरी प्राप्त हो सके। साथ ही कोरोना संक्रमण व अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्य के प्रस्तावों को आमसभा न होने के चलते मंजूरी नहीं मिल पा रही है। जिससे मंजूरी के अभाव में कार्य शरु नहीं हो पाए हैं। इसलिए जिलाधिकारी को पत्र देकर पंकज यादव ने मांग की है कि नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों के विषयों को मंजूरी प्रदान करने के लिए जल्द से जल्द शासन के नियमानुसार आमसभा आयोजित की जाए। प्रतिलिपि नगराध्यक्ष व मुख्याधिकारी नप को भी दी गई है।

जिम्मेदारी समझ प्लाज्मा डोनेट करने आए आगे - चंद्रकुमार चुटे

गोंदिया – कोरोना को मात दे चुके लोगों के हाथों में अब दो जिंदगियों को बचाने का मौका है। प्लाज्मा दान करने से किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होती है। ऐसे में झाड़े कुणबी समाज अध्यक्ष चंद्रकुमार चुटे, सचिव निलेश चुटे, सदस्य प्रभाकर दोनोडे, गजानन डोये, काशीराम हुकरे, नितेश दोनोडे, सुरेश बहेकार, चिराग फुंडे, रामु चुटे, विजय बहेकार, राजेन्द्र पाथोडे, जितेंद्र शिवनकर ने कोविड से ठीक होने वाले मरीजों से अपील की है कि प्लाज्मा दान करने के लिए आगे आएं।

विदेशों के बाद भारत में भी प्लाज्मा थेरेपी के सकारात्मक परिणाम सामने आने के बाद आईसीएमआर ने इसको मंजूरी दे दी है। इस थेरेपी को कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। कोविड से ठीक हो चुके जो लोग अपना प्लाज्मा दान करते हैं, उसमें एंटीबॉडी होती है। यह प्लाज्मा जब किसी मरीज को चढ़ाया जाता है, तो एंटीबॉडी रोगी के शरीर में पहुंचकर वायरस से लड़ने लगती है। इससे मरीज की सेहत में सुधार होने लगता है। प्लाज्मा को बनाया नहीं जा सकता है, इसे सिर्फ कोविड से ठीक होने वाले व्यक्तियों से दान में लिया जा सकता है। ऐसे में अब कोरोना को हराकर लौटे लोगों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। प्लाज्मा थेरेपी की जरुरत को देख्ते हुए अध्यक्ष चंद्रकुमार चुटे झाड़े कुणबी समाज संगठन, उपाध्यक्ष डॉ.नोव्हील ब्रम्हणकर, दीप्ति तावड़े, निलेश चुटे, राजेश दोनोडे, सुजाता बहेकार, कुंदा दोनोडे, राजेश हुकरे, राहुल खोटेले, गौरव बहेकार ने ज्यादा से ज्यादा प्लाज्मा डोनेट करने का आवहान किया है। आपका प्लाज्मा ही किसी मरीज के लिए दवा का काम कर सकता है। प्लाज्मा दान करने से कोई नुकसान नहीं होता है। ऐसे में किसी व्यक्ति की जान कोरोना से न जाए, इसके लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए प्लाज्मा का दान करें।

१ मई से नगर पालिका कर्मचारी संघटन का अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन

गोंदिया – १ मई से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अतिआवश्यक सेवा सहित सभी कार्यों का अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन का आवाहन नगरपालिका कर्मचारी संघटना द्वारा किया गया है।

गौरतलब है कि कोरोना काल के दौरान नगर परिषद कर्मचारी सेवा में लगे हुए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना के चलते २ कर्मचारीयों की संक्रमित होकर मौत हो चुकी है। उन कर्मचारियों के परिवारों को ५० लाख रुपए की आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक सदस्य को नौकरी की मांग तथा राज्य की सभी नगर पालिका, मनपा, नगर पंचायत में कार्यरत सफाई कर्मचारी, जलापूर्ति कर्मचारी, मजदूर कर्मचारी, अधिकारियों के २ से ३ माह से वेतन न होने, अनुकंपाधारकों की प्रलंबित मांगे, सातवें वेतन आयोग का बकाया पहला हफ्ता, प्रतिमाह वेतन न होने आदि मांगों को लेकर राज्य नगर पालिका कर्मचारी संघटना द्वारा १ मई से अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन की चेतावनी दी है। इसकी जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री व सभी जनप्रतिनिधियों को भी दी गई है। इस संदर्भ में राज्य के नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को विज्ञापन दिया गया है। अपनी इन मांगों को लेकर कर्मचारियों द्वारा इसके पूर्व भी आंदोलन की चेतावनी देकर ३ चरणों में आंदोलन किया जा रहा है। जिसमें १ अप्रैल को कर्मचारियों द्वारा काला फीता लगाकर काम किया गया। १५ अप्रैल को १ दिन की लेखनी बंद आंदोलन तथा अब १ मई को अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी गई है। इस काम बंद आंदोलन में शामिल होने तथा इसे सफल बनाने के लिए महाराष्ट्र राज्य नगर परिषद कर्मचारी, नगर पंचायत कर्मचारी, संवर्ग कर्मचारी संघटन, नगर पालिका कर्मचारी संघर्ष समिति शाखा गोंदिया द्वारा नगर परिषद कार्यालय में एक सभा का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से संघटन के अध्यक्ष सुरेंद्र बंसोड़, कार्याध्यक्ष दिलीप चाचीरे, राजेश शर्मा, किशोर ऊके, जितेंद्र वैष्णव, अजय चौरसिया, प्रशासकीय अधिकारी चुन्नीलाल राणे, अग्निशमन अधिकारी लोकचंद भेंडारकर, मुकेश मिश्रा, प्रदीप घोड़ेश्वर, मुकेश शेंद्रे, गणेश हतकैया, राजेश खांडेकर, सुमित शेंद्रे, मदन बघेले, भूपेंद्र सनवारे, शिव हुकरें, प्रवीण गाड़े, सोनवाने, आर.वी. दुबे, प्रफुल पानतवने, अभिजीत फोपाटे आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

संपादकिय

अनाज ही नहीं, टीका भी मिले मुफ्त

केंद्र सरकार को कोविशील्ड वैक्सीन १५० रुपये प्रति डोज, राज्य सरकारों को ४०० रुपये और निजी अस्पतालों को ६०० रुपये प्रति डोज पर उपलब्ध कराए जाने की बात है। सीरम ने कोविशील्ड के लिए ६०० रुपये की जो कीमत तय की है, वह अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे अमीर देशों की तुलना में अधिक है।

देश के करीब ८० करोड़ गरीब और जरुरतमंद लोगों को अगले दो महीने यानी मई और जून में पांच-पांच किलोग्राम अनाज मुफ्त दिया जाएगा। भले ही इस बार देशव्यापी लॉकडाउन नहीं लगाया गया हो, लेकिन जैसे-जैसे महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, तमाम राज्य सख्त पाबंदियां लगाने पर मजबूर हो रहे हैं। इससे बहुत से लोगों के रोजी-रोजगार या तो छिन गये हैं या छिनने के आसार बन रहे हैं। इसी वजह से प्रवासी मजदूरों का बड़ा हिस्सा एक बार फिर अपने-अपने गांवों की ओर लौट रहा है।

इसी बीच वैक्सीन का दायरा बढ़ाने की भी पहल हुई है, जो स्वागत योग्य कदम है। लेकिन इससे जुड़े कुछ पहलुओं की आलोचना भी हो रही है। खासकर वैक्सीन की अलग-अलग कीमतों को लेकर। केंद्र सरकार को कोविशील्ड वैक्सीन १५० रुपये, राज्य सरकारों को ४०० रुपये और निजी अस्पतालों को ६०० रुपये प्रति डोज किमत पर उपलब्ध कराए जाने की बात है। सीरम ने कोविशील्ड के लिए ६०० रुपये की जो कीमत तय की है, वह अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे अमीर देशों की तुलना से अधिक है। कंपनी ने इसका बचाव करते हुए कहा है कि ६०० रुपये की कीमत निजी अस्पतालों के लिए है। इसकी तुलना अमीर देशों की सरकारों से ली गई कीमत से नहीं की जा सकती। उन देशों से वैक्सीन बनाने के लिए उन्हें पहले ही फंडिंग मिल चुकी थी।

अब भारत बायोटेक ने भी कोवैक्सीन के लिए राज्यों से ६०० और निजी अस्पतालों से १,२०० रुपये लेने की बात कही है। जबकि केंद को वह पहले की तरह १५० रुपये पर इसकी सप्लाई करता रहेगा। राज्यों और निजी अस्पतालों के लिए ऊंची कीमत रखने पर भारत बायोटेक की भी आलोचना हो रही है। असल में कुछ जानकारों का कहना है कि टीके की ऊंची कीमत से टीकाकरण अभियान में कुछ दिक्कत हो सकती है। विपक्ष भी टीके की कीमतों पर केंद्र की नीति को भेदभावपूर्ण बता रहा है। इसके साथ पूरी आबादी को मुफ्त टीका दिए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। सच यह भी है कि बीजेपी समेत विपक्ष शासित कई राज्यों ने अपने यहां लोगों को मुफ्त टीका देने का वादा किया है। मुफ्त टीके की हिमायत में कुछ गैर-राजनीतिक संगठन पल्स पोलियो अभियान की मिसाल दे रहे हैं। उनका कहना है कि अगर पोलियो का टीका मुफ्त नहीं दिया जाता, तो यह सभी बच्चों तक नहीं पहुंच पाता। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की एक स्टडी में यह भी बताया गया कि १८ साल से ऊपर की समूची आबादी को मुफ्त टीका लगाने का खर्च भी करीब ६७ हजार करोड़ रुपये ही आएगा, जो जीडीपी का ०.३६ फीसदी ही बैठता है। केंद्र चाहे तो राज्यों के साथ इस खर्च को बांट सकता है। आखिर मौजूदा नीति में भी दोनों ही टीकाकरण का खर्च उठा रहे हैं। यानी जरुरत है तो दोनों के बीच बेहतर तालमेल और केंद्रीयस्तर पर इसकी पहल की।

शहर की दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने महारक्तदान शिविर

गोंदिया – कोरोना महामारी से समस्त विश्व पिड़ीत है। जिससे अपना राज्य व जिला भी अछूता नहीं है। इस महामारी से गोंदिया के अनेको मित्र परिवारों ने अपना आधार स्तंभ खोया है। इसलिए सर्वसमाज ने उन सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृति में १ मई को महारक्तदान शिविर का आयोजन किया है। उपरोक्त शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि अब हम और किसी को ना गवाएं, अपनों को रक्त और प्लाज्मा की कमी न हो, इसके लिए जो स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है, वह स्वेच्छा से आगे आकर रक्तदान कर सकता हैं। ऐसा आवाहन महारक्तदान शिविर के आयोजक गोंदिया पहल प्लाज्मा की ने की है।

शहर में पहली बार प्लाज्मा डोनेशन

गोंदिया शहर में पहलीबार प्लाजमा डोनेशन शिविर भी आयोजित किया जा रहा है। शहर में संक्रमित मरीज जिन्हें प्लाज्मा की आवश्यकता होती है के लिए रायपुर, नागपुर व भिलाई से प्लाज्मा मंगवाना पड़ता है। जो समय पर उपलब्ध नहीं हो पाता तथा आर्थिक रुप से भी काफी महंगा होता है। इसलिए गोंदिया पहल प्लाज्मा ने यह अभियान चलाते हुए पहली बार प्लाज्मा डोनेट का अभियान भी शुरु किया है। जिसमें जीवन ज्योति ब्लड बैंक नागपुर के सहयोग से प्लाज्मा का डोनेशन भी किया जाएगा।

वैक्सीनेशन के पहले रक्तदान

१ मई से १८ से ४५ वर्ष के सभी नागरिकों को वैक्सीन लगाने का कार्य शुरु किया जा रहा है। वैक्सीन लगने के पश्चात १ माह तक वह रक्तदान नहीं कर सकते। वर्तमान स्थिति में रक्त की कमी को देखते हुए वैक्सीनेशन के पहले अपना रक्तदान कर सकते हैं।

समय और स्थान

महारक्तदान शिविर १ मई को सुबह ९ से शाम ७ बजे तक श्री नारायणी लॉन, रानी सती मंदिर के पास, गणेश नगर, गोंदिया में आयोजित किया गया है।

विशेष सूचना

आयोजकों द्वारा विशेष सूचना भी जारी की गई है कि इस रक्तदान शिविर के दौरान शासन के नियमों का पालन कड़ाई से किया जाएगा। जिसमें सामाजिक अंतर रखना सभी के लिए अनिवार्य होगा। मास्क का उपयोग करना जरुरी है। बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज के ऑक्सीजन प्लांट को विस्फोटक व पेट्रोलियम विभाग से मिली मंजूरी, जल्द ही होगा शुरु - डीन डॉ.नरेश तिरपुड़े

गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज व जिला चिकित्सालय कुंवर तिलक सिंह में अदानी फाउंडेशन के सीएसआर अंतर्गत शुरु किए जाने वाले लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट के लिए ३० अप्रैल को पेट्रोलियम व विस्फोटक विभाग से मंजूरी प्राप्त हो गई है। जो आगामी ४ से ५ दिनों में शुरु हो जाएगा। ऐसी जानकारी डीन डॉ. नरेश तिरपुड़े द्वारा दी गई है।

गौरतलब है कि कोरोना काल में ऑक्सीजन की आवश्यकता को देखते हुए शासकीय मेडिकल कॉलेज में लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट अदानी के सीएसआर फंड से मंजूर हुआ है। जिसके लिए ३० अप्रैल को पेट्रोलियम व विस्फोटक विभाग से मंजूरी प्राप्त हो गई है। उपरोक्त प्लांट का कार्य युद्धस्तर पर शुरु है, जिसके आगामी ४ से ५ दिनों में शुरु होने की संभावना है। उपरोक्त प्लांट को शुरु करने के लिए जिलाधिकारी दीपककुमार मीणा, अतिरिक्त जिलाधिकारी राजेश खवले, उप-जिलाधिकारी सुभाष चौधरी, फूड एंड ड्रग विभाग के अधिकारी नरवने, अदानी फाउंडेशन के नितिन शिरोड़कर व उनके सहयोगी तथा अनिल शेटें व सहयोगियों का विशेष योगदान रहा है। उपरोक्त कार्य के लिए नागपुर के जोशी व कमडी का भी योगदान महत्वपूर्ण रहा है। ऐसी जानकारी शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नरेश तिरपुड़े द्वारा दी गई है।

मार्ग चौड़ीकरण के चलते पेड़ों को न काटा जाए

सबसे ज्यादा ऑक्सिजन देने वाले होते हैं पेड़

संवाददता आमगांव – आज जीवन मे सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण ऑक्सिजन है। कोरोना की दूसरी लहर में जितनी जाने गई है, वह अधिकतर ऑक्सिजन की कमी की वजह से ही गई है। आज हम कोरोना के समय दूसरे देशों से ऑक्सिजन मंगवा रहे है। हमारे देश मे पेड़ों को महत्व देते हुए हमारे पूर्वाजों ने अनेको पेड़ो लगाए थे। आज भी हम पीपल, बरगद, नीम, आंवला जैसे पेड़ो की पूजा करते है। पीपल २४ घंटे, बरगद २० घण्टे और नीम १८ घण्टे ऑक्सीजन प्रदान करता है।

आमगांव के आम्बेडकर चौक से लेकर कामठा चौक तक रोड चौड़ीकरण के चलते कई पीपल, बरगद और नीम के पेड़, जो है तो साइड में ही, पर रोड वहां तक जाने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि ये बचेंगे नहीं। रोड बनाने वाली कंपनी और उनके अभियंताओं से निवेदन है कि रोड इस प्रकार से बनाए कि पेड़ कटे भी न और शहर की शोभा भी बनी रहे साध्य ही पर्यावरण बचाया जा सके। पेड़ों के कारण बारिश अच्छी होती है, गर्मी में ठंडी हवा मिलती है और इन्ही पेड़ो की वजह से हमें जीवन भर ऑक्सिजन की कमी नही होती। आंबडेकर चौक से लेकर कामठा चौक तक दोनों तरफ पीपल के पेड़ लगे हुए हैं। जो पिछले कई वर्षों से हमें छाव, ठंडी हवा व ऑक्सीजन दे रहे हैं। पेड़ की जो शाखाएं रोड पर झुक रही है उसको भले की काट दिया जाए व पेड़ों पर बने सीमेंट के चबूतरे को हटा दिया जाए, किंतु पेड़ों को न काटा जाए। ताकि हमें ऑक्सीजन भी मिले और गर्मी से राहत भी।

पेड़ों को काटा ना जाए पर्यायी व्यवस्था करें

अष्टविनायक सामाजिक संस्था के माध्यम से वृक्षारोपण के साथ ही उनकी देखभाल भी की जाती है। शहर में रोड चौड़ीकरण की वजह से पेड़ों को न काटा जाए। क्योंकि जो पेड़ लगे हुए हैं वह सबसे ज्यादा ऑक्सिजन देने वाले पेड़ हैं। ये पेड़ पिछले कई वर्षों से लगे हुए है। अगर इनको काटा गया तो फिर लगाना और उगाना मुश्किल होगा। रोड बनाने वाली कंपनी इन पेड़ों को आकर्षक बना कर बचा सकती है। जिसकी वजह से पर्यावरण में शुद्ध हवा मिल सके।

– **रोहित गुप्ता,** सामाजिक कार्यकर्ता, आमगांव

आज की बात...

ये जीवन उम्मीद के सहारे...

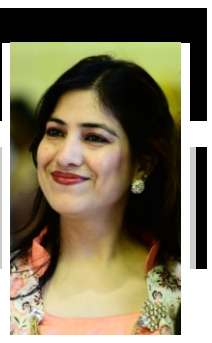

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

कोरोना काल की इस विकट घड़ी में चारों तरफ केवल दुखों का ही साया नजर आने लगा है। टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से हमें निरंतर नकारात्मक खबरें ही परोसी जा रही हैं। ऐसी विकट घड़ी में हम सब सुखमय जीवन जीने के लिए उम्मीद को ही सहारा बना कर बैठे है।

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए एक उम्मीद को ही अपना सहारा बनाता है। जीवन को सुचारु रुप से चलाने के लिए उम्मीद एक बहुत ही सुंदर रास्ता है। यदि सच मे देखा जाए तो यह उम्मीद ही है जिसके दामन को थाम कर व्यक्ति वर्तमान में खुश रह सकता है, क्योंकि उम्मीद ही वह पहलू है जिसके द्वारा हम अपना सुनहरा भविष्य देख सकते हैं। इसलिए हर व्यक्ति ने उम्मीद को अपना सहारा बनाकर आशावादी होना ही चाहिए।

अब बात आती है कि केवल उम्मीद के सहारे ही क्या हम हाथ पर हाथ धरकर बैठ जाएं। नहीं मित्रों, जो व्यक्ति आशावान रहकर अपना जीवन व्यतीत करता है, उसका जीवन तो सुखमय हो सकता है। परंतु जो व्यक्ति केवल और केवल उम्मीद के भरोसे पर ही जीवन जीने के बारे में सोचता रहता है कि बिना कोई कर्म किए केवल उम्मीद के आधार पर ही सब अच्छा होगा तो शायद उस व्यक्ति की यह उम्मीद अधूरी रह सकती है। आज अगर हमारे देश के वैज्ञानिक उम्मीद के भरोसे हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहते तो जो वैक्सीन हमें इतने थोड़े से वक्त में मिल गई है, इसे पाने के लिए हमें कई वर्षों का इंतजार करना पड़ता। वैक्सीन को लेकर भी तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जा रही है। हमें अपने वैज्ञानिकों और सरकार पर भरोसा होना ही चाहिए। तभी तो हमारी उम्मीदों को पर मिलेंगे और हम सभी एक स्वस्थ भारत में फिर उसी आजादी से बिना किसी बीमारी के भय से अपना जीवन सुखमय तरीके से जीने के लिए उड़ सकेंगे।

जीवन में उम्मीद अवश्य रखनी चाहिए, परंतु जिस सुखद भविष्य के लिए हमने उम्मीद की डोर बाँध कर रखी है वह सुखद भविष्य बिना हमारी मेहनत के अथवा बिना हमारे कर्म किए कभी भी हमारे सम्मुख नहीं आ सकता। क्योंकि ऊपरवाले ने भी हमारी किस्मत की रेखा के पहले उंगलियों को स्थान दिया है जो हमेशा हमें कर्म करते रहने का जज्बा दिखाती है।

जब हम उम्मीद के घोड़े पर सवार होते हैं तो सामान्यत: हम किसी पर भी आसानी से विश्वास करने लगते हैं। विश्वास करने की ये आदत अच्छी है परंतु अपनी आंखें मूंदकर किसी पर भी अंधविश्वास करना उचित नहीं है। जैसा कि आज कल हम सोशल मीडिया पर आने वाली खबरों की सत्यता की जांच किए बिना ही उन खबरों को आगे फारवर्ड करते चले जाते हैं, जिसका दुष्परिणाम सम्पूर्ण मानव जाति को भुगतना पड़ सकता है। ऐसी खबरों को पढ़कर कोरोना पीड़ित व्यक्ति जो कि मैं ठीक हो जाऊँगा, इस उम्मीद के सहारे जो लड़ाई वह लड़ रहा है, उसे अनजाने में ही हम कमजोर करने का कार्य कर रहे हैं। अत: हमें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जो कुछ समय पश्चात् हमें अपने आप पर ही पछतावा होने लगे।

उम्मीद हमारे जीवन में खुशियां भर सकती हैं। हम भविष्य की सुनहरी कल्पना करते हुए सब उम्मीद पर छोड़ देते हैं। एक हद तक यह सही भी है कि एक सुखी भविष्य की कल्पना ही हमारे अंदर एक नई ऊर्जा भर देती है, पर हमें अपना कर्म याने की मेहनत करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

हम आने वाले अच्छे वक्त की कल्पना से ही अलौकिक आनंद का अहसास करने लगते हैं। हमारी उम्मीद ही हमारी अनंत ऊर्जा की स्त्रोत है।

सकारात्मक व्यक्ति हर परिस्थिति में उम्मीद की कोई न कोई किरण ढूंढ ही लेता है। यह उम्मीद ही विकट परिस्थितियों पर विजय प्राप्ति की सर्वोत्तम चाबी है।

इसलिए आइए हम सभी सभी इस विकट समय में उम्मीद का दामन थाम कर रखें और ईश्वर से प्रार्थना करें कि, **हे प्रभु**, हमारे जीवन को पहले जैसा सरल और सुखमय बना दे।

हम सदैव आशावान रहें, सही पथ पर चलने की हिम्मत ईश्वर देगा। **सावधानी ही सबसे बड़ी वैक्सीन है**, समय-समय पर सावधानी वाली वैक्सीन लेते रहें...

साधना पथ

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

संसार में अरबों मनुष्य हैं। उनमें किन्ही गिने-चुने मनुष्यों में साधना करने की पवित्र भावना जागती है और वे साधना के पथ पर चल पड़ते हैं। साधना के पथ पर वह चल पड़ते हैं, जिनके पूर्व जन्म के साधना विषयक संस्कार होते हैं। अथवा वर्तमान परिवेश का गहरा प्रभाव रहता है। अरबों संख्या वाले मनुष्य समुदाय में साधना करने वालों की संख्या अत्यल्प है। अत्यल्प संख्या वाले साधक महानुभाव भी साधना के क्षेत्र में साधना करते-करते साधना को या तो सर्वथा छोड़ बैठते हैं, या साधना के क्षेत्र में रहते-रहते ही जैसे-तैसे समय व्यतीत कर रहे होते हैं। कोई विरला ही साधना के महत्व को, उपयोगिता को, लाभों को और न करने से हानियों को भली प्रकार जानकर, समझकर साधना को यथोचित स्तर पर करते हुए, साधना की गहराइयों को आत्मसात करते हुए साधना की उच्च स्थिति को प्राप्त होते है।

जो साधक, साधना को छोड़ बैठते हैं, या साधना के पथ पर चलते हुए भी जैसे-तैसे समय व्यतीत करते हैं, उनका इस प्रकार साधना को छोड़ देना या साधना पथ पर व्यर्थ समय व्यतीत करना किन कारणों से होता है, इस पर दृष्टि डालने से एक महत्वपूर्ण कारण सामने आता है और वह है ज्ञान। ज्ञान एक ऐसा महत्वपूर्ण कारण है जिस पर संपूर्ण मानव जीवन आश्रित है। मनुष्य का प्रत्येक कर्म ज्ञान पर आश्रित है। साधना रुपी कार्य महत्वपूर्ण कार्य है। महत्वपूर्ण कार्य बिना ज्ञान के कैसे संभव हो पाएगा? मानव का स्वभाव है कि सुख को प्राप्त करना और दुख को दूर करना। सुख भी सामान्य नहीं, अनेकों विशेषण से युक्त सुख चाहिए और सभी प्रकार के दुखों का छुटकारा पाना ही मानव का ध्येय है। सुख पाना हो या दुख दूर करना हो बिना कार्य के नहीं हो सकता। कैसे-कैसे कर्म करने से कैसे-कैसे सुख प्राप्त होते हैं और कैसे-कैसे दुख दूर होते हैं, यह सब ज्ञान पर आश्रित है। ऐसे महत्वपूर्ण ज्ञान को अपनाए बिना साधना का पथ प्रशस्त नहीं हो पाएगा।

जो भी साधक, साधना को छोड़ बैठते हैं या साधना के पथ पर चलते हुए समय व्यर्थ करते हैं, उनके जीवन में ज्ञान का अत्यल्प होना एक महत्वपूर्ण कारण है। साधक साधना में रुचि रखते हैं, श्रद्धा रखते हैं उसके लिए तप करते हैं और नाना प्रकार के उपाय को भी अपनाते हैं। परंतु उनकी दृष्टि ज्ञान पर प्राय: कम रहती है या न के बराबर रहती है। शास्त्र पढ़ना, उसके मत में व्यर्थ समय बिताना है। शास्त्र पढ़ना व शास्त्र चर्चा करना उनके लिए कोसों दूर है। वह ऐसा मानते हैं कि साधना के लिए शास्त्र पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, इसलिए वह शास्त्र न पढ़ते हुए केवल साधना करना चाहते हैं और शास्त्र पढ़ने वालों से अलग एकांत में रहते हैं। वस्तुत: वे ज्ञान से दूर रहते हुए साधना से ही कोसों दूर होते जा रहे हैं। जितना अधिक ज्ञान बढ़ता है उतनी अधिक साधना उत्तम बनती जाती है, यह बात ज्ञान की गहराई को जानने पर ही ज्ञात हो सकती है।

साधकगण इस बात को अच्छी प्रकार जान ले कि, साधना का आधार अष्टांग योग है। अर्थात जितना अधिक योग को अपनाया जाए, उतनी अधिक साधना उत्कृष्ट बनती है। योग स्पष्ट रुप से विधान करता है कि स्वाध्याय करना चाहिए। महर्षि वेदव्यास ने स्वाध्याय की परिभाषा इस प्रकार की है-

स्वाध्यायो मोक्षशास्त्राणामध्यर्यन प्रणवजपोवा।

अर्थात मोक्ष को प्राप्त करने वाले शास्त्रों का अध्ययन करना और प्रणव ओम का जाप करना स्वाध्याय कहलाता है। महर्षि वेदव्यास के कथन से स्पष्ट होता है कि मोक्ष को प्राप्त करना है तो मोक्ष को प्राप्त करने वाले शास्त्र पढ़ने चाहिए।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : किसी महत्वपूर्ण काम के लिए उल्टी गिनती शुरु हो चुकी है, अच्छे से तैयारी कर लें। प्रापर्टी से अच्छा रिटर्न आने की उम्मीद है। ज्वेलर्स या गोल्ड क्षेत्र में काम करने वालों की आमदनी बढ़ने की संभावना है। आपका असाइनमेंट सीनियर्स को प्रभावित नहीं कर पाएगा।

वृषभ : कोई भी निर्णय देने से पहले वर्तमान स्थिति को नजर में रखना जरुरी होगा। प्रोफेशनल स्तर की समस्या को हल करने का प्राइज मिल सकता है। नवविवाहित अपने शादीशुदा जीवन का भरपूर मजा ले पाएंगे। नई जगह छुट्टियां मनाने जा सकते हैं।

मिथुन : आप जीवन के उस शानदार दौर से गुजर रहे हैं जिनसे अब तक नहीं गुजरे हैं। बिजनेस बढ़ाने या करियर बढ़ाने में सफल होने वाले हैं। शादीयोग्य लोग पवित्र बंधन में बंध सकते हैं। किसी खास को दिखाने के लिए आपके पास बहुत कुछ है।

कर्क : कार्यक्षेत्र में भरोसेमंद को अवसर देकर काम सही रास्ते पर ला सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में आने वाली किसी घटना में साहसिक कदम उठाना पड़ सकता है। किसी महत्वपूर्ण आयोजन से पहले आपको कई उलझे सिरे सुलझाने की जरुरत होगी।

सिंह : समाज से जुड़कर रहने की प्रवृत्ति आपको कई दोस्त और शुभचिंतक देने वाली है। प्रोफेशनल स्तर पर मिली कामयाबी से आपकी शोहरत बढ़ सकती है। कैंसल हो गई ट्रिप जल्द ही पूरी कर लिए जाने की उम्मीद है।

कन्या : आपको कोई अच्छा असाइनमेंट मिलने की संभावना है। बीमार चल रहे लोगों को अब राहत मिल जाने की उम्मीद है। आपके द्वारा खरीदी गई प्रॉपर्टी से अच्छा रिटर्न मिलना शुरु हो जाएगा। परिवार के तनावपूर्ण माहौल में बदलाव होने के संकेत हैं।

तुला : अकेले लोगों के जीवन में कोई दस्तक देने वाला है। किसी कार्य के लिए आवश्यक सहायता मिलने की उम्मीद है। आर्थिक स्तर पर सुरक्षित महसूस करेंगे।

वृश्चिक : जिस किसी पर आप भरोसा कर रहे हैं, वहां से अपेक्षित सहायता मिलने की उम्मीद कम है। किसी और के मामले में दखल देना महंगा पड़ सकता है। एक नए उद्यम के लिए पैसे का इंतजाम कठिन रहेगा।

धनु : जिन लोगों ने हाल ही में जॉब शुरु किया है, उनके लिए सब अच्छा रहने के संकेत हैं। मार्केटिंग के लोग अपनी योजना में सफल रहने वाले हैं। जीवनसाथी की चुप्पी आपको परेशान कर सकती है। किसी से मिला तोहफा आपके उत्साह को कई गुना बढ़ा सकता है।

मकर : अपने लिए थोड़ा समय बचाकर रखें, जरुरत पड़ सकती है। घर में होने वाले किसी आयोजन को लेकर किसी की सलाह मानना आपको पसंद नहीं आएगा। कार्यक्षेत्र में सीनियर के साथ अपने तालमेल का फायदा उठाकर प्रतिद्वंद्वी को हरा सकते हैं।

कुंभ : यदि आपके पास आत्मबल है तो कोई भी काम करने में सफल होंगे, दिल छोटा न करें। सामाजिक क्षेत्र में स्वयं के किसी कार्य पर गर्व करने का अवसर मिलेगा। सही निवेश और बचत से आर्थिक स्तर पर मजबूती रहने की उम्मीद है।

मीन : लाइम लाइट में रहने का मजा ले सकते कार्यक्षेत्र में आपके काम की बदौलत अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। किसी ऐसे इंसान से मुलाकात की संभावना है जिसके प्रेम में पड़ सकते हैं। फन ट्रिप पर जाने के संकेत हैं।

लॉकडाउन के दौरासन रेलवे से शराब तस्करी

सुरक्षाबल, क्राइमब्रांच एवं रेलवे पुलिस की अलग-अलग तीन कार्रवाई। शराब सहित चार आरोपी हिरासत में

गोंदिया - कोरोनाकाल में चल रहे लॉकडाउन के दौरान रेलवे से शराब तस्करी की जा रही है। जिस पर रेलवे सुरक्षाबल, क्राइमब्रांच व गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा तीन अलग-अलग कार्रवाई करते हुए अवैध शराब सहित चार आरोपियों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया।

गौरतलब है कि लॉकडाउन के दौरान गोंदिया शहर से बड़े पैमाने पर छत्तीसगढ़ में रेलवे के माध्यम से शराब तस्करी की जा रही है। जिस पर २८ अप्रैल को रेलवे सुरक्षाबल, क्राइमब्रांच द्वारा दो कार्रवाई व गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा २९ अप्रैल को एक कार्रवाई की गई। रेलवे सुरक्षाबल, क्राइम ब्रांच शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक अनिल पाटिल के नेतृत्व में उपनिरीक्षक के.के. दुबे, सहायक उपनिरीक्षक एस.एस. ढोके, आर.सी. कटरे द्वारा दोपहर २ बजे के दौरान गोंदिया रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक ५ पर गस्त लगा रहे थे। इसी दौरान दो व्यक्ति गुडशेड की ओर से रेलवे लाईन पार कर प्लेटफार्म पर आ रहे थे। जिन पर संदेह होने पर उन्हें रोक कर पूछताछ किए जाने पर उन्होंने अपना नाम डोगरगढ़ निवासी अनमोल राजाराम सांगोडे (२४) तथा सौरभ संतोष राय (२०) बताया। जिनके पास एक लाल रंग का बैग चेक करने पर उसमें ४९ नग ९० मिलीमीटर चीता

ब्रांड की देसी शराब बोतलें जिसकी अंदाजन कीमत ४९०० बताई गई। इस संदर्भ में उन्होंने किसी भी प्रकार के दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए।

उसी प्रकार दूसरा मामला प्लेटफार्म क्रमांक ४ पर सिकोलाफाटा, रामनगर, जिला दुर्ग निवासी को संदेह के आधार पर रोके जाने पर उसके पास से ४० नग ९० मिलीमीटर देसी शराब की बोतल पाई गई। जिसकी अंदाजन कीमत १०४० बताई गई। उपरोक्त दोनों मामले में आरोपियों को रेलवे सुरक्षाबल, क्राइमब्रांच द्वारा गोंदिया रेलवे पुलिस के सुपुर्द किया गया। आरोपियों के खिलाफ मुंबई शराबबंदी अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया

तीसरा मामला २९ अप्रैल को सामने आया। जिसमें गोंदिया रेलवे पुलिस पुलिस अधीक्षक लोहमार्ग राजकुमार के मार्गदर्शन में गोंदिया के प्रभारी पुलिस निरीक्षक अनिता खेड़कर के निर्देशानुसार पुलिस उपनिरीक्षक भिमटे, पुलिस हवलदार निकोड़े, गोधोडे, सेलौटे, घरतकर, मड़ावी, भोयर, राय, प्लेटफार्म पर चेकिंग गस्त व पेट्रोलिंग का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान १० बजे के दौरान एक युवक प्लेटफार्म क्रमांक ४ पर सिकंदराबाद- रायपुर एक्सप्रेस में एक वजनदार प्लास्टिक की बोरी रख रहा था। जिस पर संदेह होने पर उससे पूछताछ किए जाने पर उसने अपना नाम दुर्ग निवासी किशोर राजकुमार अग्रवाल (३४) वर्ष बताया। जिसके बोरे की तलाशी लेने पर देसी शराब ९० बोतले पाई गई। पूछताछ किए जाने पर उसने बताया कि गोंदिया से शराब खरीद कर दुर्ग में बिक्री के लिए ले जा रहा है। उपरोक्त मामले में आरोपी के खिलाफ मुंबई शराबबंदी कानून की धारा ६५अ के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लोहमार्ग नागपुर एम. राजकुमार, उपअधीक्षक एस.वी. शिंदे के मार्गदर्शन में गोंदिया रेलवे पुलिस की प्रभारी अनिता खेड़कर के दिशानिर्देश अनुसार पुलिस उपनिरीक्षक भिमटे व उनके सहयोगियों द्वारा की गई।

कोरोना जांच की आरटीपीसीआर रिपोर्ट मिलेंगी मोबाइल ऐप पर

गोंदिया - कोरोना जांच की आरटीपीसीआर रिपोर्ट अब मोबाइल एप मिलेंगी। जिसके लिए RTPCR Reprting System Gondia के नाम से एप तैयार किया गया है।

गौरतलब है कि कोरोना जांच आरटी पीसीआर की रिपोर्ट एसएमएस द्वारा भेजी जाती थी, किंतु तकनीकी कारणों से इस व्यवस्था में खराबी आ जाने से पर्यायी व्यवस्था के रुप में आरटी पीसीआर रिपोर्टिंग सिस्टम गोंदिया इस नाम से एंडड्रायड मोबाइल ऐप बनाकर इसके माध्यम से मरीजों को रिपोर्ट प्राप्त होंगी। जिसके लिए ऐप में SRF आईडी डालने पर रिपोर्ट प्राप्त होंगी। जिसका स्क्रीनशॉट मान्य होगा तथा जांच के लिए अन्य रिपोर्ट की कॉपी का इंतजार नहीं करना होगा। ऐप का उपयोग करते समय कुछ बातों को ध्यान में रखना होगा जिसमें- एसआरएफ आईडी डालने पर क्लिक करने के पश्चात १ से २ मिनट का समय लगेगा, एप पर VRDL लैब गोंदिया से प्राप्त ७ दिनों की रिपोर्ट ही उपलब्ध होंगी। रिपोर्ट सीमित समय के लिए उपलब्ध होने के चलते ऐप से स्क्रीनशॉट लेकर अपनी सुविधा के लिए रखना होगा।

वर्तमान स्थिति में सैंपल देने के पश्चात ४८ घंटे या उसके बाद रिपोर्ट प्राप्त होंगी, अत: सैंपल देने के २ दिन बाद ही रिपोर्ट सर्च करना होगा। रिपोर्ट संबंधित जानकारी के लिए ८३०८८१६६६६, ८३०८८२६६६६ इस नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इस प्रकार की जानकारी गोंदिया जिला स्वास्थ्य विभाग के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, प्रभारी जिला शल्य चिकित्सक डॉ.प्रशांत तुरकर, डीन मेडिकल कॉलेज डॉ.नरेश तिरपुड़े द्वारा दी है।

शहर के २१ प्रभागों में मोहल्ला क्लिनिक बनाएं

पार्षद यादव ने मुख्याधिकारी को पत्र देकर की मांग

गोंदिया शहर में कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार की सुविधा बढ़ाने हेतु सभी २१ प्रभागों में मोहल्ला क्लीनिक बनाने की मांग पार्षद लोकेश यादव व पंकज यादव ने नगर परिषद के मुख्याधिकारी करण चौहान को पत्र देकर की है।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर में कोरोना संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या व उन्हें उपचार में आने वाली परेशानियों को देखते हुए पार्षद लोकेश (कल्लु) यादव व पंकज यादव ने शहर के सभी २१ प्रभागों में मोहल्ला क्लीनिक बनाने की मांग की है। प्रत्येक क्लीनिक में १० बेड, २ ऑक्सीजन सिलेंडर, १ डॉक्टर, २ नर्स, १ वार्डबॉय की नियुक्ति तत्काल की जाए जिससे शहरवासियों को उपचार के लिए अधिक भटकना न पड़े।

आज की कठिन परिस्थिति के चलते अधिकांश मरीजों को चिकित्सालयों में बेड उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इस व्यवस्था से मरीजों को काफी हद तक राहत मिलेंगी। जिसके लिए तत्काल आमसभा आयोजित कर विषय को मंजूर करवाकर मोहल्ला क्लीनिक का कार्य जल्द से जल्द शहर में शुरु करने की मांग का पत्र पार्षद लोकेश यादव ने मुख्याधिकारी करण चौहान को देकर की है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता संजीव राय व कृषभ मिश्रा उपस्थित थे।

सैंपल दिए बिना युवक को बताया पॉजिटिव

प्रशासन की लापरवाही से निगेटिव युवक को हो रही मानसिक परेशानी

गोंदिया - कोरोना की जांच के लिए सैंपल देने के बाद पॉजिटिव और निगेटिव की जानकारी दी जाती है। परन्तु अब तो बिना सैंपल दिए भी पॉजिटिव दिखाने की घटना महाराष्ट्र के गोंदिया की है। गोंदिया तहसील में रावणवाड़ी के समीप बसे ग्राम के रहवासी सचिन बोपचे को बिना सैंपल दिए पॉजिटिव बताया गया है, जिससे युवक को मानसिक कष्ट सहन करना पड़ रहा है। २२ अप्रेल को युवक सचिन बोपचे ने अपने चाचा कुंजीलाल बोपचे को कोरोना की जांच हेतु प्राथमिक आरोग्य केंद्र रजेगांव लेकर गया था। जिसमे उसने अपने चाचा का ही सैंपल दिया था। कुछ दिनों पहले उनकी स्वयं की आई हुई रिपोर्ट उन्हें उसी समय निगेटिव मिली थी। इसीलिए तुरंत उन्होंने अपनी जांच करने से वहां पर स्थित आरोग्य कर्मचारी स्टाफ नर्स को जांच करने के लिए मना किया और उसने नाम भी काट दिया। परंतु जब काफी दिनों बाद अहवाल आया तो उसमे बिना सैंपल दिए उन्हें पॉजिटिव बताया गया। जबसे युवक को इस बात का पता चला है, युवक काफी परेशान है और उसे मानसिक कष्ट सहन करना पड़ रहा है। साथ ही युवक ने उन पर कार्यवाही करने के लिए जिलाधिकारी और जिला शल्य चिकित्सक केटीएस सामान्य रुग्णालय गोंदिया से पत्र द्वारा मांग की है। साथ ही उनके खिलाफ गुन्हा दाखल कर ऐसे कर्मचारियों को सेवामुक्त करने का उल्लेख भी पत्र में किया है।

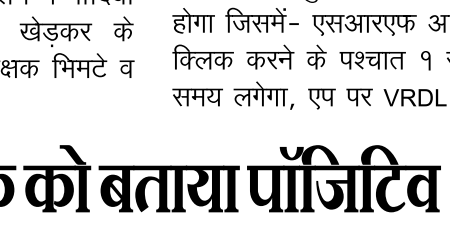

डॉ.ब्राम्हणकर ने कोरोना मरीज की आकस्मिक शल्यक्रिया कर बचाई जान

संक्रमित मरीज का फूट गया था अपेंडिक्स

गोंदिया - वर्तमान समय में कोरोना वायरस का हाहाकार सब ओर मचा हुआ है। इस दौरान अधिकांश चिकित्सालयो में संक्रमित मरीजों की ही भरमार हैं। जिसके चलते चिकित्सालयों में बेड भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। जिससे सामान्य मरीजों के उपचार में भारी परेशानियां सामने आ रही है। ऐसे में गोंदिया के सर्जन डॉ.ब्राम्हणकर ने अपनी सेवा की एक उत्कृष्ट मिसाल पेश की। गोंदिया शहर के गणेश नगर निवासी ४२ वर्षीय संक्रमित मरीज का २ मई को अचानक अपेंडिक्स पेट में ही फूट गया। जिसके चलते उसके जीवन पर संकट मंडराने लगा था। ऐसे कठिन समय में शहर के मामा चौक सिविल लाइन स्थित ब्राम्हणकर हॉस्पिटल के संचालक डॉ.नोव्हिल प्रभु ब्राम्हणकर ने उस मरीज की सफल शल्यक्रिया कर जान बचाई। इस शल्यक्रिया के दौरान एनेस्थीसिया डॉ. गजानन यादव, सहायक लोकेश नागपुरे, राजेश राणे ने सहयोग किया। इस कठिन परिस्थिति में भी शल्यक्रिया करने पर परिजनों व परिचितों ने उनका अभिनंदन किया।

पूर्व विधायक जैन ने शासकीय आधारभूत धान व मक्का खरीदी केंद्र शुरु करने पालकमंत्री को कराया अवगत

गोंदिया जिले के धान उत्पादक किसानों ने हर साल की तरह इस साल भी बड़े प्रमाण में धान व मक्का की खेती की है। आने वाले दो-चार दिन में धान व मक्का फसल आने वाली है। किसानों को सरकार के समर्थन मूल्य से खरीदी केंद्र पर उन्हें उचित मुनाफा मिले, इसके लिये द महाराष्ट्र स्टेट को-ऑप. मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड व महाराष्ट्र राज्य सरकारी आदिवासी विकास महामंडल को खरीदी के अधिकार दिए है। जिन्हें धान व मक्का खरीदी केंद्र १ मई से शुरु करने के आदेश दिए हैं। परंतु दोनों संस्थाओं ने अभी तक एक भी केंद्र चालू नहीं किया हैं। जिससे किसानों को काफी अड़चन का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी बातों से पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने पालकमंत्री को अवगत कराया।

पालकमंत्री ने कहा कि खरीदी केंद्र अतिशीघ्र चालू हो तथा धान व मक्का उत्पादक किसानों को कोरोना के संकटकाल में चूंकि लॉकडाउन के कारण अन्य कहीं भी धान व मक्का बेचने की सुविधाएं नहीं हो सकती, इसलिये किसानों की परेशानी को समझते हुए म.को-ऑप.मा. फेडरेशन और मरासआवि महामंडल को तत्काल धान व मक्का खरीदी केंद्र बड़े पैमाने पर शुरु करने के आदेश दिए। साथ ही जिन आदिवासीयों के पट्टे प्रकरण लंबित हैं, उनका धान भी खरीदी केंद्र पर लें, ऐसा आदेश जिल्हाधिकारी निकाले और धान गोडाऊन खाली करें, धान लोकल मिलर्स को दें। ऐसे निर्देश समीक्षा सभा में ने दिए है।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार नहीं मिला रहा राशन- लोकचंद बिसेन

किसान युवा क्रांति संघटन ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर दी आंदोलन की चेतावनी

गोंदिया - कोरोना संक्रमण के दौरान लॉकडाउन में जरुरतमंद गरीबों को राशन वितरण प्रणाली से मुफ्त राशन देने की मुख्यमंत्री ने घोषणा की है। परंतु अब तक उन्हें राशन नहीं मिला है। इस मामले में किसान युवा क्रांति संघटन के जिला अध्यक्ष लोकचंद बिसेन ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर जल्द से जल्द राशन वितरण करने की मांग की है। यदि जल्द वितरण शुरु नहीं किया गया तो संघटन द्वारा आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

गौरतलब है कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान सभी प्रकार के काम बंद हो जाने से जरुरतमंद गरीब वर्ग की सहायता के लिए राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा राशन वितरण प्रणाली से निशुल्क राशन वितरण करने की घोषणा कर आदेश दिया गया था। लेकिन जिले में अब तक प्रशासन द्वारा जरुरतमंद लोगों को राशन वितरण नहीं किया गया है। इस संदर्भ में जल्द से जल्द राशन वितरण की मंजूरी देने तथा राशन वितरण शुरु करने की मांग को लेकर किसान युवा क्रांति संगठन के जिला अध्यक्ष बिसेन द्वारा गोरेगांव के तहसीलदार को ज्ञापन देकर मांग की है कि यदि जल्द से जल्द उपरोक्त मांग को अमल में नहीं लाया गया तो संघटन द्वारा आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर संघटन के युवा जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गौतम, गोरेगांव तहसील अध्यक्ष मिनाल राऊत, जिला महिला अध्यक्ष सुरेखा चौहान, सविता गौतम, निर्मला ढेकवार, वंदना मस्के, व संघटन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

लॉकडाउन के दौरान महागांव ग्राम पंचायत के

सरपंच ने आयोजित की मासिक सभा

धारा १४४ का उल्लंघन करने पर सरपंच को करें पद मुक्त - त्रयंबक झोड़े

संतोष रोकड़े, अर्जुनी मोरगांव - अर्जुनी मोरगांव तहसील अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत महागांव के सरपंच प्रभाकर कोवे ने लॉकडाउन के दौरान जारी धारा १४४ का उल्लंघन कर ग्राम की मासिक सभा आयोजित की। शासन के आदेश का उल्लंघन करने पर ग्राम पंचायत सदस्य त्रयंबक कृषि झोड़े ने सरपंच को बर्खास्त करने की मांग प्रशासन से की है।

गौरतलब है कि कोरोना काल के दौरान शासन द्वारा लॉकडाउन लगाकर धारा १४४ लागू की गई है। जिसमें ५ से अधिक व्यक्ति एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकते। महागांव ग्राम पंचायत तहसील की सबसे बड़ी पंचायत है, जिसमें १३ सदस्य है। ग्राम पंचायत के सरपंच व उपसरपंच ने जिलाधिकारी के आदेश का उल्लंघन कर ३० अप्रैल को ग्राम की मासिक सभा का आयोजन किया। जिसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी, उपविभागीय अधिकारी तथा अन्य किसी वरिष्ठ अधिकारियों से किसी भी प्रकार की मंजूरी नहीं ली। वर्तमान समय में सभी शासकीय कार्यालयों द्वारा ऑनलाइन सभा ली जा रही है। लेकिन उपरोक्त सभा में सभी पदाधिकारियों के जमा होने पर गांव वालों द्वारा आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है तथा ग्राम में चर्चा चल रही है कि उपरोक्त सभा में क्या निर्णय लिया गया? तथा सरपंच प्रभाकर कोवे ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उस पर क्या कार्रवाई होंगी? इस मामले में ग्राम पंचायत सदस्य त्रयंबक झोड़े ने उपविभागीय अधिकारी व पुलिस निरीक्षक को निवेदन देकर सरपंच पर नियम भंग करने की कार्रवाई कर उसे पद मुक्त करने की मांग की है।

धारा १४४ की जानकारी दी

सभा के संदर्भ में नोट सीट पर सरपंच को धारा १४४ के संदर्भ में जानकारी दी तथा इस समय मासिक सभा लेना याने कोरोना बढ़ाना है। तथा जिला अधिकारी से मासिक सभा के लिए पूर्व मंजूरी लेना जरुरी है, इसकी भी जानकारी दी थी। आज तबियत खराब हो जाने से मैं छुट्टी पर हूं इस प्रकार की प्रतिक्रिया भ्रमणध्वनी पर दी गई।

- विनोद श्रीवास्तव, ग्राम विकास अधिकारी, महागांव

कोरोना संक्रमण के उपाय योजना के लिए मासिक सभा ली गई

कोरोना संक्रमण के बढ़ने पर क्या उपाय किये जाए, इस विषय पर मासिक सभा ली गई तथा इसके लिए खंड विकास अधिकारी को मौखिक जानकारी दी थी। जिस पर उन्होंने मौखिक मंजूरी दी। इस पर किसी भी प्रकार का लिखित आदेश नहीं लिया गया। आज की सभा में सभी १३ पदाधिकारी उपस्थित थे। ग्राम पंचायत सदस्य त्रयंबक झोड़े कोरोना पॉजिटिव होने से होमक्वारंटाइन थे, इसके बावजूद भी मासिक सभा में उपस्थित हुए थे। जिस पर उन्हें सभा में नहीं आने की सूचना दी गई।

- प्रभाकर कोवे, सरपंच महागांव

बोरवेल मिस्त्रियों का कामबंद आंदोलन

पानी के लिए मचा हाहाकार, प्रशासन बेखबर

संवाददाता सालेकसा - वेतन भत्तों की मांग को लेकर ७ अप्रैल से सालेकसा पंचायत समिति तहत कार्यरत समस्त बोरवेल मिस्त्रियों ने काम बंद आंदोलन छेड़ रखा है। बोरवेल मिस्त्रियों के घर में बैठ जाने से ग्रामीण अंचल में इसका भारी असर देखने को मिल रहा है। बोरवेल खराब हो जाने पर उसको मरम्मत करने वाला कोई नहीं होने से अब ग्रामीण पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। एक ओर कोरोना का असर, लॉकडाउन की मार और ग्रीष्मकाल। ऐसी भयंकर स्थिति में प्रशासन का बेखबर होना और मिस्त्रियों की मांग की ओर अनदेखी करना कहां तक उचित होगा? यह तो पंचायत समिति प्रशासन को ही मालूम। लेकिन गर्मियों के दिनों में पानी की किल्लत ग्रामीणों के लिए भारी समस्या बन गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत ७ अप्रैल से सालेकसा तहसील के समस्त बोरवेल मिस्त्रियों ने अपने वेतन भत्तों को लेकर कामबंद आंदोलन छेड़ रखा है। तत्सम्बध की चेतावनी भरा आवेदन उन्होंने खंडविकास अधिकारी सालेकसा, उप-अभियंता यांत्रिकी ग्रामीण पाणीपुरवठा जिप गोंदिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद गोंदिया, तहसीलदार सालेकसा तथा थानेदार सालेकसा को दिनांक ०१ अप्रैल को सादर किया था। जिसमें चेतावनी दी गई थी कि अगर १ सप्ताह में उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो वे दिनांक ०७ अप्रैल से काम बंद कर देंगे। जिला प्रशासन और तहसील प्रशासन ने उनकी मांग की ओर अनदेखी की और आज भुगतना ग्रामीणजनों को पड़ रहा है। इस पर शीघ्र कोई ठोस उपाय करने की मांग ग्रामीणों ने की है।

जिप प्रशासन को लिखित जानकारी दी

बोरवेल बंद होने से निर्माण होने वाले पानी की दिक्कत का निराकरण करने की सूचना ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव को दी गई है। बोरवेल मिस्त्रियों की मांग पूरी करना हमारे बस में नहीं है। जिला परिषदस्तर पर इसका विचार किया जाना चाहिए। इसकी लिखित सूचना हमने जिप प्रशासन को दे दी है।

- एस.टी.तुरकर, खण्डविकास अधिकारी प.स.सालेकसा

विधायक विनोद अग्रवाल के निधी से ग्राम चारगांव में खोदे गए ३ बोरवेल

गोंदिया - गर्मी के दिनों में अनेक ग्रामों में पानी की समस्या होती है। इन समस्याओ को विधायक विनोद अग्रवाल के चाबी संगठन के कार्यकर्ता अनिरुद्ध बिसेन को ग्रामवासियों ने अवगत कराया। इस पर संज्ञान लेकर विधायक अग्रवाल को समस्या बतलाई। जिस पर हाल ही में ग्राम चारगांव में विधायक निधी से ३ बोरवेल को मंजूरी दिलवायी। तत्काल बारवेल खुदाई भी की जा चुकी है। जिससे जल्द ही ग्रामवासियो की पानी की समस्या दूर होगी। जनता ने जनता के विधायक विनोद अग्रवाल का आभार व्यक्त किया है। और कहा कि समस्या को प्राधान्य से लिया उसके लिए दिल से शुक्रिया। जनता के विधायक ने हमेशा ही जनता की आवाज बनकर कार्य किया है और निरंतर यह कार्य जारी रहेगा ऐसा उन्होंने समस्त विधानसभा की जनता को अवगत कराया है।

सहयोग हॉस्पिटल में कोरोना मरीज ने लगाई छलांग, देर शाम हुई मौत

गोंदिया के रिंग रोड स्थित सहयोग हॉस्पिटल में २९ अप्रैल की दोपहर २ से २.१५ बजे के दौरान एक कोरोना से संक्रमित मरीज ने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। जिससे उसकी स्थिति गंभीर हो गई थी व देर शाम उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उस्मानाबाद निवासी वर्तमान में बालाघाट के परसवाड़ा निवास पंडित अर्जुन जाधव (४२) बताई गई। वह गत ८ अप्रैल से इलाज के लिए सहयोग हॉस्पिटल में एडमिट था।

इस घटना की जानकारी रामनगर पुलिस थाने को प्राप्त होते ही पुलिस निरीक्षक प्रमोद घुगे घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु की। इस संदर्भ में जब जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि घटना की सूचना उन्हें मिली है, लेकिन पूरी जानकारी उनके पास नहीं है। वे स्वयं संक्रमित होने की वजह से घटना स्थल पर उपस्थित नहीं है। इस मामले में अनेक जनप्रतिनिधियों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हॉस्पिटल प्रबंधन की लापरवाह कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठाते हुए हॉस्पिटल की कार्य□णाली की कड़ी जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

मामले की कड़ाई से जांच हो

सहयोग हॉस्पिटल में सुरक्षा व्यवस्था के उचित प्रबंध नहीं है तथा हॉस्पिटल प्रशासन का व्यवहार भी मरीजों के प्रति समाधानकारक नहीं है। यहां उपचार के लिए दाखिल मरीजों को प्रताड़ित किया जाता है, इस मामले की कड़ाई से जांच की जाए। इसके पूर्व भी अनेक गंभीर मामले इस हॉस्पिटल के खिलाफ सामने आए हैं। हॉस्पिटल प्रशासन के लिए लोगों की जान की कोई कीमत नहीं है। ऐसे लापरवाह हॉस्पिटल पर प्रशासन द्वारा जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा यहां पर २४ घंटे निगरानी रखने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की जाए।

– जितेंद्र पंचबुद्धे, पार्षद, नप गोंदिया

अस्थाई डॉक्टरों के भरोसे चल रहा हॉस्पिटल

सहयोग हॉस्पिटल में कोई भी स्थाई डॉक्टर नहीं है। कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए स्थाई रुप से एमडी डॉक्टर होना चाहिए। लेकिन यहां अस्थाई डॉक्टर कार्यरत कर रहे हैं तथा हॉस्पिटल प्रशासन भी टेक्निकल रुप से सक्षम नहीं है। साथ ही कोविड-१९ की मजबूरी का फायदा हॉस्पिटल द्वारा उठाया जा रहा है। आज घटित घटना गंभीर है। इस प्रकार के मामले न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा मामले की कड़ाई से जांच कर दोषियों पर मामले दर्ज करें।

– अमर वराडे, प्रदेश सचिव, कांग्रेस

२३० ग्रामों की जिम्मेदारी ६७ पुलिस पाटीलों पर

३ वर्षों से नहीं हुई नियुक्ति, सालेकसा तहसील के अनेक ग्रामों में पद रिक्त

संवाददाता दरेकसा – ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामस्तर पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस पाटील के पर होती है। सालेकसा तहसील के अंतर्गत गत ३ वर्षों से पुलिस पाटिलों की नियुक्ति नहीं होने से २३० ग्रामों की जिम्मेदारी केवल ६७ पुलिस पाटीलों के पर होने से सुरक्षा व्यवस्था के कार्यों में काफी परेशानियां हो रही है।

गौरतलब है कि सालेकसा तहसील के अंतर्गत गत ३ वर्षों से पुलिस पाटिलों की भर्ती नहीं होने से तहसील के अंतर्गत आने वाले २३० गांवों की जवाबदारी ६७ पुलिस पाटील देख रहे हैं। जिसमें एक पुलिस पाटिल के जिम्मे ४ से ५ गांव दिए गए हैं। जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष यह है कि पुलिस पाटील की कमी के चलते प्रमाणपत्र व अन्य कार्यों के लिए उन्हें भटकना पड़ता है। ग्रामस्तर पर पुलिस पाटिल का पद महत्वपूर्ण होता है, लेकिन रिक्त पद होने से ग्रामीण क्षेत्रों में विवाद निर्माण होने लगा है। ग्रामों में महात्मा गांधी विवाद मुक्त समिति की स्थापना की गई है। लेकिन पुलिस पाटिल के अभाव में ग्रामस्तर पर विवादों का निपटारा नहीं होने से छोटे-मोटे विवाद के लिए ग्रामीणों को पुलिस स्टेशन जाना पड़ रहा है। जिसमें पैसा व समय अधिक लगने के साथ ही प्रशासन के ऊपर अतिरिक्त कार्य का दबाव निर्माण हो रहा है। साथ ही तहसील के ९ ग्रामों में अब भी पुलिस पाटिल के पद रिक्त हैं। जिसमें धनोली, बिजली, शेरपार, जमाकुडो, विचारपुर ,पाऊलदौना, सातगांव, डोंगरगांव, चांदसूरज, धनेगाव, हल्बीटोला, भजेपार इन ग्रामों में पद रिक्त हैं। विशेष यह है कि १ वर्ष पूर्व पुलिस पाटील की पद भर्ती निकाली गई थी, लेकिन अब तक परीक्षा नहीं होने से नियुक्ति अधर में लटकी हुई है। साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा भी इस ओर अनदेखी की जा रही है। क्षेत्र के नागरिकों ने शासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पद भर्ती की जाए जिससे नागरिकों को राहत मिल सके।

आदिवासियों को नहीं मिल रहा खावटी अनुदान

मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन देकर की मांग

संवाददाता दरेकसा – आदिवासी विकास विभाग महाराष्ट्र शासन द्वारा निकाले गए आदेश के अंतर्गत अनुसूचित जमाती आदिवासी समाज के परित्यक्ता, विधवा, कामगार, मनरेगा मजदूर व मजदूरी करने वाले वर्ग को खावटी अनुदान प्रति परिवार ४००० रु. जिसमें २००० बैंक खातों में व २००० की वस्तु खरीदी के रुप में मदद की जाएंगी। लेकिन जिले में शासन की उदासीनता के चलते अब तक आदिवासी समाज उक्त खावटी अनुदान से वंचित है। जिसके लिए सालेकसा के तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार के आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश के अंतर्गत आदिवासी समाज के नागरिकों को खावटी अनुदान दिया जाएगा। लेकिन अब तक उन्हें खावटी अनुदान नहीं मिला है। जिसके लिए मुख्यमंत्री के नाम दिये गए ज्ञापन में मांग की गई है कि अनुदान बैंक खाते में जमा किया जाए तथा आदिवासी बंधुओं को शासन के निर्णय अनुसार १२ अनाज, वस्तुएं व किराना देने का निर्णय किया गया है। जिसमें मटकी, चौलाई, चना, वटाना, उड़ददाल, तुवरदाल, शक्कर, फल्लीदाना, गरम मसाला, मिर्ची पाउडर, नमक, चायपत्ती इन वस्तुओं का समावेश है। उपरोक्त वस्तुओं में कुछ बदलाव करना हो तो शासन के मान्यता के अनुसार किया जाए। शासन द्वारा किए गए निर्णय में उपरोक्त वस्तु ही खरीदी करना है, यह अन्याय हैं। उन्हें उनकी इच्छा व आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं को खरीदी करने की छूट दी जाए। उपरोक्त मांग का ज्ञापन शंकर मडावी, मनोज विश्वकर्मा, राजेंद्र ब्राम्हणकर, अमित वैद्य, उदयलाल जैतवार आदि ने दिया है।

सफाईकर्मियों को पार्षद गोपलानी ने कोरोना कीट बांटी

गोंदिया शहर में कोरोना संक्रमण बड़े पैमाने पर फैल चुका है। इसके बावजूद गोंदिया नगर परिषद के सफाईकर्मी प्रतिदिन अपने जीवन की परवाह न कर शहर के नागरिकों के हितों में सफाई का कार्य कर रहे हैं। इन सभी सफाईकर्मियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रभाग क्रमांक १५ के पार्षद दिलीप गोपलानी ने अपने प्रभाग अंतर्गत आने वाले सभी सफाईकर्मियों को कोरोना से बचाव के लिए किट उपलब्ध कराई। जिसमें सैनिटाइजर, एन९५ मास्क व मास्कशिल्ड वितरित की। साथ ही उन्होंने आवाहन किया है कि प्रशासन के नियमों का पालन करते हुए सामाजिक अंतर बनाए रखें, मास्क का नियमित इस्तेमाल करें तथा स्वयं स्वस्थ रहें व सभी का उचित ख्याल रखें, जिससे इस महामारी से जल्द ही निजात मिल सके।

चीचगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री जोरो पर

राज्य उत्पादन शुल्क व पुलिस विभाग की अनदेखी

संवाददाता देवरी – देवरी तहसील अंतर्गत आने वाले चिचगढ़ क्षेत्र में कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन में भी खुलेआम बड़े पैमाने पर देसी-विदेशी शराब की बिक्री अवैध रुप से शुरु है। जिस पर राज्य उत्पादन शुल्क व पुलिस विभाग की अनदेखी के चलते अवैध विक्रेताओं के हौसले बुलंद है।

गौरतलब है कि कोरोना को रोकने के लिए लॉकडाउन लगाकर प्रयास किया जा रहा है। इसके बावजूद चीचगढ़ में खुलेआम अवैध रुप से देसी-विदेशी शराब व बियर की दुगनी-तिगुनी कीमतों पर बिक्री की जा रही है। शराब की बिक्री बड़े पैमाने पर होने से अनेक परिवार इसकी चपेट में आकर बर्बाद हो रहे हैं। इस संदर्भ में पुलिस में शिकायत किए जाने पर खानापूर्ति कार्रवाई की जाती है। जिससे अवैध विक्रेताऔ को प्रोत्साहन मिल रहा है। ऐसा आरोप स्थानीय महिलाओं ने लगाते हुए, इस पर लगाम लगाने की मांग की है। साथ ही जनप्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन व राज्य उत्पादन शुल्क विभाग द्वारा इस पर तत्काल कड़े कदम उठाए जाने की मांग भी निरंतर महिलाओं द्वारा की जा रही है।

चिचगड़ पुलिस थाना अंतर्गत ककोड़ी, पालंदुर व आसपास के अनेकों ग्रामों में सार्वजनिक स्थानों पर बड़े पैमाने पर अवैध शराब की बिक्री जोरो से शुरु है। इस ओर स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा अनदेखी किए जाने के चलते नागरिकों में असंतोष का वातावरण निर्माण हो रहा है। चिचगड़ में जागृत हनुमान मंदिर परिसर, तलाव परिसर व अन्य स्थानों पर सुबह से लेकर शाम तक खुलेआम शराब की बिक्री की जा रही है। जिससे मजदूर व युवक इसकी चपेट में आ रहे हैं। अवैध शराब की बिक्री जोरो पर होने से के चलते व अधिक कमाई होने के कारण अनेक व्यक्ति इस व्यवसाय में उतर चुके हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम बिक रही शराब, अनेक लोग उतरे व्यवसाय में

महिलाओं में पनप रहा असंतोष

कोरोना संक्रमण लॉकडाउन में भी लोग शराब का सेवन कर सार्वजनिक स्थानों पर हंगामा करते हुए अश्लील गालीगलौज करते हैं। जिससे मार्ग से आवागमन करने वाली महिलाएं, विद्यार्थी व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही महिलाओं व युवतियों के साथ छेड़छाड़ का प्रयास भी शराबी करते हैं। जिसकी शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से शराबियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। इस ओर जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने से गांव की महिलाओं में असंतोष का वातावरण निर्माण हो रहा है।

कार्रवाई करने में पुलिस प्रशासन की आनाकानी

चिचगड़, ककोड़ी, पालंदुर व अन्य ग्रामों में शराब बिक्री करने वालों की दहशत फैल रही है। जिनकी शिकायत सामान्य नागरिकों द्वारा करने की हिम्मत नहीं होने से इन शराब विक्रेताओं का व्यवसाय खुलेआम चल रहा है। पुलिस विभाग को इन विक्रेताओं द्वारा हफ्ता दिए जाने के चलते उन पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है।

विशाल करंडे के हत्यारों को फांसी की मांग

तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव - मुंबई के रमाबाई नगर निवासी युवक विशाल करंडे की दिनदहाड़े हत्या की गई। उसके हत्यारों को फांसी देने की मांग का ज्ञापन अर्जुनी मोरगांव तहसील के समाजबंधुओं ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को दिया।

गौरतलब है कि मुंबई के रमाबाई आंबेडकर नगर निवासी युवक विशाल करंडे की साजिश कर दिनदहाड़े हत्या कर चेहरे पर तेजाब डाल आंखें फोड़कर जघन्य हत्या की गई। विशाल के परिवार को न्याय मिलने के लिए उसके हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग अर्जुनी मोरगांव तहसील के आंबेडकरी साहित्य के अभ्यासक मुन्नाभाई नंदागवली, ग्राम पंचायत सदस्य प्रीतम रामटेके, धम्मदीप मेश्राम, मयूर खोबरागड़े, शैलेंद्र बोरकर ने ज्ञापन देकर की है। उपरोक्त निवेदन राज्य के गृहमंत्री, पालकमंत्री, सांसद व विधानसभा सदस्य, विधायक को भी ई-मेल द्वारा भेजे गये हैं।

विधायक विनोद अग्रवाल ने स्वखर्च से कराया पूरे विधानसभा को सैनिटाइज

जरुरत होने पर गोंदिया जिले के समस्त ग्रा.प.कार्यालयों को निशुल्क सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जाएगा – विधायक विनोद अग्रवाल

कोरोना विषाणु के चलते गोंदिया विधानसभा को सेनेटाइज किया जाए ऐसी मांग हो रही थी। जिसका संज्ञान लेते हुए गोंदिया विधानसभा के लोकप्रिय जनता के आमदार विधायक विनोद अग्रवाल ने पूरी गोंदिया विधानसभा को निजी खर्च से सेनीटाइज करने का निर्णय लिया था। जिस पर ७ हजार लीटर सेनेटाइजर पर गोंदिया मंगवाया गया था। जिसका वितरण गोंदिया विधानसभा की समस्त ग्राम पंचायतों एवं गोंदिया नगर पालिका को किया गया था। आमदार विनोद अग्रवाल इनके आवाहन पर अनेक ग्राम पंचायतो में सेनेटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है।

ग्राम पंचायत जितना सेनेटाइजर मांगेगी उतना उपलब्ध कराया जाएगा

विधायक विनोद अग्रवाल ने सोशल मिडिया पर पोस्ट करते हुए गोंदिया जिले की समस्त ग्राम पंचायतो को निशुल्क सेनेटाइजर उपलब्ध करावाया जाएगा, ऐसा बताया है। जिस पर ग्राम पंचायत अपने लेटरहेड पर विधायक अग्रवाल के कार्यालय से सेनेटाइजर की मांग कर सकते हैं। जिसे निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

नागरिको ने व्यक्त किया आभार

सेनेटाइजेशन कार्य करने हेतु समस्त ग्रामवासियों ने जनता के विधायक विनोद अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया है। फेसबुक पर फोटो पोस्ट करते हुए ग्राम में हो रहे सेनेटाइजेशन के कार्य को शेयर भी किया है।

पिछले वर्ष भी करवाया था संपूर्ण सेनेटाइजेशन

जनता के आमदार के नाम से विख्यात विधायक विनोद अग्रवाल ने गत वर्ष भी अपनी संपूर्ण विधानसभा को सेनेटाइज करवाया था। जिसमें विधायक अग्रवाल के समर्थको ने अथक परिश्रम करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आवश्यकता हैं

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय

जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया

मो. : 9405244668, 7670079009

समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । – सम्पादक

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया

हर रविवार
सुबह 11 से 4 बजे

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

गोंदिया शहर में अतिरिक्त वैक्सीनेशन सेंटर शुरु करें - विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया – कोरोना संक्रमण के लिए वर्तमान समय में ४५ वर्ष के ऊपर के नागरिकों को वैक्सीन लगाई जा रही है। जिसके लिये शहर के कुंभारे नगर एवं बाई गंगाबाई स्त्री रुग्णालय केवल २ जगहों पर सेंटर हैं, जहां वैक्सीन लगाई जाती है, जो पर्याप्त नही है। नागरिक वैक्सीन लगवाने के लिए ग्रामीण भाग में इधर-उधर भटक रहे हैं। आनेवाले समय में १८ वर्ष से ऊपर सभी को कोरोना वैक्सीन लगनी है। जिसके चलते उपलब्ध वैक्सीनेशन सेंटर पर भीड़ इकट्ठा हो सकती है, इसका संज्ञान लेते हुए विधायक विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में माननीय उपविभागीय अधिकारी के उपस्थिति में विशेष बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें कोरोना सम्बंधित विविध विषयों पर चर्चा कर, अतिरिक्त वैक्सीनेशन सेंटर शुरु करने का विषय विधायक विनोद अग्रवाल ने रखा।

गोंदिया की लोकसंख्या को देखते हुए ७ से ८ अतिरिक्त वैक्सीनेशन सेंटर शुरु किए जाए, ऐसा महत्वपूर्ण सुझाव विधायक विनोद अग्रवाल ने बैठक में दिया। जिसमें मरारटोली एवं गोविंदपुर में अतिरिक्त वैक्सीनेशन सेंटर जल्द शुरु किया जा रहा है। इसके साथ जे. एम. हाईस्कूल, माताटोली स्कूल, मारवाड़ी स्कूल, गर्ल्स हायस्कूल, रामनगर स्कूल, गणेशनगर स्कूल में भी जल्द से जल्द सुविधाओं को देखते हुए वैक्सीनेशन सेंटर शुरु किए जाए, ऐसे निर्देश विधायक विनोद अग्रवाल ने दिए है।

उपरोक्त सभा में उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते, उपविभागीय पोलिस अधिकारी जगदीश पांडे, तहसीलदार आदेश डफल, अपर तहसीलदार अनिल खडतकर, गटविकास अधिकारी पी.डी. निर्वाण, गोंदिया न.प. मुख्याधिकारी करणकुमार चौहान, तहसील आरोग्य अधिकारी वेदप्रकाश चौरागडे, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. प्रशांत तुरकर एवं नायब तहसीलदार पालांदुरकर उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।